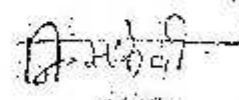
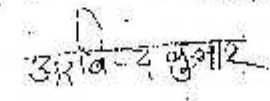
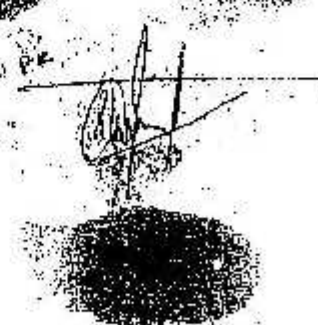




1. भूमि का प्रकार - कृषि भूमि
 2. नोट/ग्राम/ब्लॉक/सुगाही/असिमपुर तहसील, बजिली, मथुरा
 3. भूमि का क्षेत्र (हैक्टेयर) रकबा 0.226 हैक्टेयर फुल हिस्सा 4/5 यानी 0.660 हैक्टेयर
 4. सम्पत्ति का प्रकार : कृषि भूमि
 5. पेड़ों का मूल्यांकन नहीं
 6. मोरिंग/कुआ/अन्य नहीं
 7. प्रतिकूल की धराराई 2500000/- रुपये
 8. रतान्य हेतु मालियत 2500000/- रुपये
 9. स्टाम्प देना 250000/- रुपये
 10. संरक्षारी दर भूमि सड़क से दूर 1200000/- रुपये प्रतिएकड़ जो नवीन रेट लिस्ट के पृष्ठ सं 32 क्रमांक 28 पर दर्ज है।
- कार्यक्षेत्र उ०.न० मथुरा - प्रथम/द्वितीय





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



493389



(2)

प्रथमपक्ष की संख्या (1) श्रीराम गुप्त बृजकिशोर निम्नरामेट, डीग, जिला भरतपुर व
 चिह्नीला का निवरण श्रीराम गुप्त बृजकिशोर निम्नरामेट, डीग, जिला भरतपुर व
 खिल्लिसिंह व आजोदसिंह पुत्रगण स्व० श्री ऊदलिया व श्रीमती सुफेदी
 पत्नी स्व० श्री ऊदलिया निवासीगण नगला कुम्हेरिया माग ग्राम दंतिया तहसील व
 जिला मथुरा चिह्नीला प्रथमपक्ष व श्री पातीराम पुत्र श्री मंगीसिंह निवासी अकबरपुर
 तहसील धरता जिला मथुरा व अरविन्द कुमार पुत्र श्री बंगालीमल निवासी लाजपत नगर
 महोली रोड, मथुरा मुहयदा व आरकं द्वितीयपक्ष पक्षगण इस लेखपत्र के हैं।

Handwritten signatures and stamps, including a large circular stamp on the right and several smaller ones and signatures below.



493390



(3)

द्वितीयपक्ष की संख्या (1)
केता का दिवस

प्रदीप कुमार अग्रवाल पुत्र स्व० श्री जमुनाप्रसाद अग्रवाल निवासी 111, श्रीजमुनाधाम
कालौनी रोवर्धन योराहा, नथुरा

[Signature]

[Signature]

[Signature]

[Signature]

[Signature]

[Signature]

[Signature]



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

493391

(4)

हमकि सुधीर गर्ग पुत्र वृजकिशोर निवासी भूझागोट, डोंग, जिला मस्तपुर 'राजस्थान'
 श्री. विजयसिंह व आजादसिंह, पुत्राण स्व० श्री ऊदलिया व श्रीमती
 सफेदी पत्नी स्व० श्री ऊदलिया निवासीगण जगता कुम्हारिया भाग ग्राम दतिया तहसील
 व जिला मथुरा विवेका प्रथमपक्ष व श्री पतीराम पुत्र श्री संगीसिंह निवासी अकबरपुर
 तहसील छाता जिला मथुरा व अरविन्द कुमार पुत्र श्री बंगालीमल निवासी लाजपत नगर
 मटोलो रोड, मथुरा मुकयदा वे द्वारक द्वितीयपक्ष प्रक्षरणे इस लेखपत्र के हैं।

सुधीर गर्ग

आजाद

वि. अ. सिंह

वि. अ. सिंह

अरविन्द कुमार

अरविन्द कुमार



493392

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



(5)

जो कि आराजी संकनणोय भूगिरी खाता नंबर-14 व रदसरा नंबर-71 रकवा 0.326 हैक्टर लगनी 13.35 रुपया सालाना भाके मीजा सेबोहा अलगपुर तहसील व जिला मथुरा का हिस्सा 4/5 मिलियन विक्रेता प्रथमपक्ष है और सरकारी कागजात माल में विक्रेता प्रथमपक्ष का ही नाम भईसियल मलिक दर्ज है। जिस हिस्से 4/5 पर विक्रेता प्रथमपक्ष का कब्जा है और जिराके विषय में विक्रेता प्रथमपक्ष को हर तरह के अधिकार प्राप्त है और जो हर तरह के ऊपर बंझटों व कर्जों आदि से पाक साफ है जिस हिस्सा 4/5 में शिवाय विक्रेता प्रथमपक्ष के अन्य किसी का कोई हक हिस्सा व सम्बन्ध नहीं है न कोई ऐसा व्यक्ति अथवा वस्तु है जो विक्रेता प्रथमपक्ष के हिस्से 4/5 का बेनामा करने में कोई रुकावट या बाधा पैदा कर सके वक्त आराजी पर किसी भी विस्तीय



G. K. S. S. S.

उत्तर प्रदेश





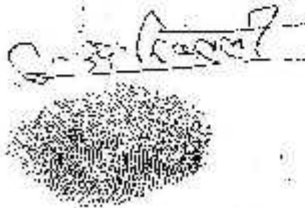
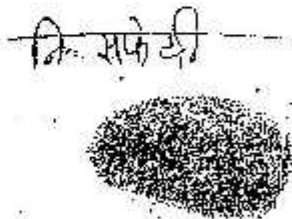
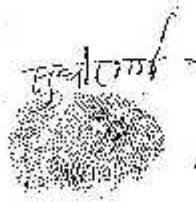
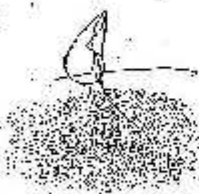
493393

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



(6)

संस्था बैंक आदि या धारित विशेष का कोई भी वार या भार किसी भी प्रकार का नहीं है यानि कि बेची जाने वाली आराजी हिस्सा 4/5 एक मात्र एक साफ़ मिल्कियत विक्रेता प्रथमपक्ष की ही है बीजे की आराजी का सड़क से दूर होने की वजह से सरकारी रेट 120000/-रुपया प्रतिएकड़ पर है और बेचे जाने वाली आराजी हिस्सा 4/5 की स्टन्ड हेतु मालियत 2500000/-रुपया है कृषि से कोई खास आय नहीं हो पाती है सौभाग्य से इस समय कीमत अच्छी मिल रही है बेचने में विक्रेता प्रथमपक्ष को सरसर लाभ है क्रिमा के प्राप्त रुपये को कहीं भी लगा देने से विक्रेता प्रथमपक्ष को एक अच्छी व निश्चित आय हो जावेगी प्रथमपक्ष ने अपनी उक्त आराजी के बेचने का मुहाराजा वै दिनांक-8.8.2006 जिसका निबंधन कार्यालय उ0नि0 मथुरा में बही नंबर-1 जिन्हें 3858 के साफ़ा 349/394 नंबर-9989 पर हुई द्वितीयपक्ष से तय किया था मुहाराजा वै की शर्तों के अनुसार व उसके अनुपालन में यह विक्रय पत्र द्वितीयपक्ष को शामिल कर उसकी सहमति से किया जा रहा है। अतः उक्त आराजी हिस्सा 4/5



असम-युक्त



493394

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

(7)

को अनुरोध अधिकारों सहित जो विक्रेता प्रथमपक्ष व मुहायदा वे द्वितीयपक्ष को प्राप्त है या भविष्य में प्राप्त हो सकते हैं। व्यय ₹ 2500000/- पच्चीस लाख रुपये जिसके अर्थ 1250000/- बारह लाख पचास हजार रुपये होते हैं। बदरत प्रदीप कुमार अप्रवाल पुत्र स्व० श्री जमुनाप्रसाद अप्रवाल निवासी 111, श्रीजमुनाधाम आश्रम, मुख्य मार्ग, गुरुदासपुरा के हक में बे कर्तृई कर दिया और बेच दिया। शालीनी गोवर्धन चौखटा, मथुरा के हक में बे कर्तृई कर दिया और बेच दिया और कीमत का कुल रूपया खरीदार से पहले ही प्राप्त कर बेची गई उक्त आराजी हिस्सा 4/5 पर खरीदार का बाकी कब्जा व कब्जे मालिकाना करा दिया । खरीदार ने हिस्सा 4/5 पर खरीदार का बाकी कब्जा व कब्जे मालिकाना करा दिया । खरीदार समस्त अधिकार बेची गई आराजी हिस्सा 4/5 का सम्पूर्ण स्वाधीन हुआ । खरीदार समस्त अधिकार मालिकाना प्रयोग में लावे और स्वयं जो चाहे सो करे अन्य विक्रेता प्रथमपक्ष व विक्रेता प्रथमपक्ष व चाराके तारिखों का बेची गई उक्त आराजी से कोई भी सम्बन्ध किसी भी प्रकार का शेष नहीं रहा न भविष्य में कहाये जा सकेगा । यदि बेची गई उक्त आराजी हिस्सा 4/5 के सम्बन्ध में कभी कोई विवाद किसी भी प्रकार का उत्पन्न हो

आम-व कुकुर निः शफेद

Q. 1. Answer -

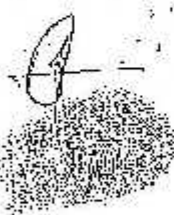


493395

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

(8)

या बेची गई भूदत आराजी का थोड़ा या कुल कच्चा खरीदार से निकल जावे या खरीदार को कुछ खर्च करना पड़े या देना पड़े या कोई बार बराद हो तो उसकी समस्त जवाबदेही न खर्च अदालत व अदा करवा रुपया मय जर राशन व जर लागत व रूद व हर्जा खरीदार से विक्रेता प्रथमपक्ष जिम्मे हैं और खरीदार वह सब मुझसे व विक्रेता प्रथमपक्ष वारिसों में न विक्रेता प्रथमपक्ष चले अचल सम्पत्ति से हस्त जाया मय खर्च को भरूल करतें । आराजी एक फसला है आराजी कृषी कार्य में आ रही है आराजी में इस समय कोई फसल नहीं खड़ी है न ही आराजी में कोई पेड़ आदि है । विक्रेता अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं है । खरीदार अपना इाखिल खारिज राजस्व अभिलेखों में करालें जिसमें गुझ विक्रेता की पूर्ण रजागन्ती व रवीकृति है । उक्त आराजी के 200 मीटर (सैराउन्डिंग) में कुले कार्य हो रहा है । फोटो प्रमाणित राजेन्द्र प्रसाद पाठक



वि. शर्मा



महेश-दत्त



ग. जे. शर्मा





493396

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



(9)

एडवोकेट ने किये हैं। उत्तर प्रदेश केला विक्रेता के कहे अनुसार गवाहों के समक्ष उन्हें पढ़ाते सुनाकर उनके निर्देशानुसार दस्त किया गया है। विक्रेता ने अपना सम्पूर्ण अंश हिस्सा 4/5 बेचा है। अब विक्रेताओं का खसरा नंबरान में कुछ भी अंश भूमि शेष नहीं है। तत्सर्वोच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 9.12.2004 जिला की रजिस्ट्री कार्यालय सब रजिस्टार मथुरा में दही नंबर-8 खण्ड 1 के सफा 271 पर नंबर-6 पर दिनांक-3.12.2004 हुई है तत्सर्वोच्च न्यायालय श्री मोहनलाल अग्रवाल निवासी पाठक गली, राजाधिराज बाजार, मथुरा को समेत प्रदीप कुमार शर्मा श्री जमुना प्रसाद जी निवासी जमुनाबाग कालोनी गोवर्धन रोड, मथुरा की ओर से उनके द्वारा हस्ताक्षरित प्रलेख प्रस्तुत करने व निबंधन कराये आदि के पूरे पूरे अधिकार प्राप्त हैं।
बेची गई भूमि में हिस्सा 1/5 भूमि विक्रेता सुधीर गर्ग की है जिसको उसने बजरिये बेनामा दिनांक-28.9.2007 जिसका निकास कार्यालय सोनिग मथुरा में प्रलेख संख्या-11584 पर हुआ, फरताररिह आदि से खरीदी व 3/5 भाग भूमि शेष विक्रेताओं की है।

Handwritten signatures and stamps at the bottom of the document, including names like 'श्री शक्ति', 'श्री शक्ति', 'श्री शक्ति', and 'श्री शक्ति'.



493397



(10)

लिहाजा यह बैनर का कपड़ा राजी खूबसूरत बनकर लिख दिया कि सनद रहे और
समय पर काम आए।

नोट : लाइन 2 की लाइन 3 में न लाइन 2 की लाइन 2 में शब्द, खिल्लीसिंह व शब्द व
आजादसिंह के बीच की इबारत पेन से अटी है।

दिनांक- 3.12.2008

कम्यूटराईज्ड : गोपाल कृष्ण झारिया मथुरा

झांपट किया : सुभाष कुमार चतुर्वेदी एडवोकेट, मथुरा।

मथुरा

मथुरा

मथुरा

मथुरा

मथुरा

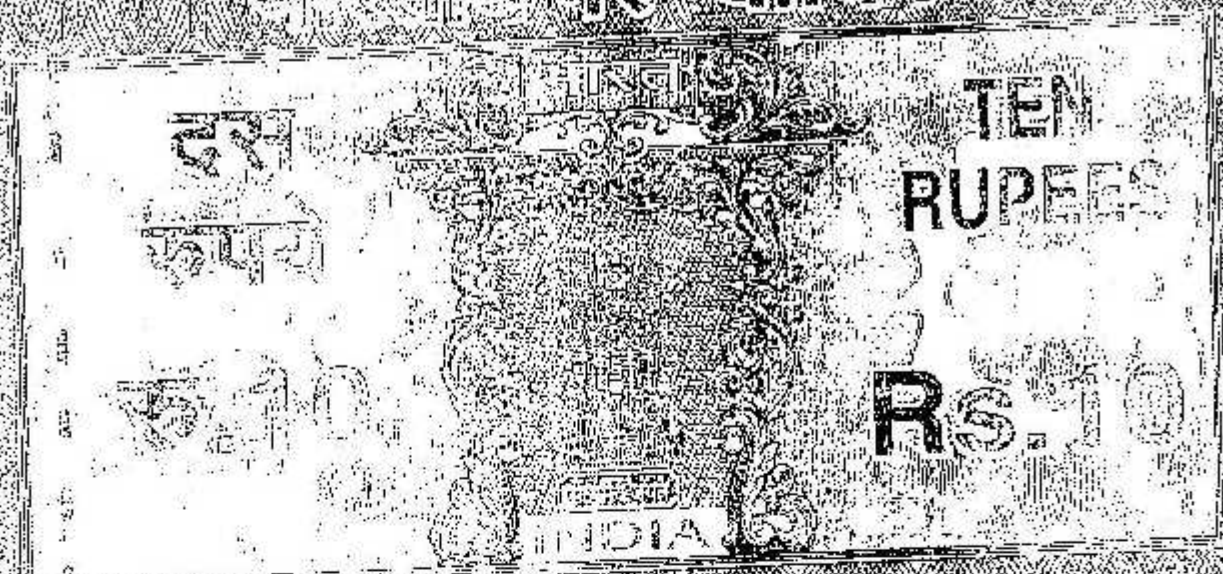
मथुरा

मथुरा

मथुरा

मथुरा

भारतीय गैर न्यायिक



INDIA NON JUDICIAL

46AC 444821

मिली है फरवरी - 1988 (हियम डिप्ट)

सि. नारायण राव
हियम डिप्ट. कमिश्नर



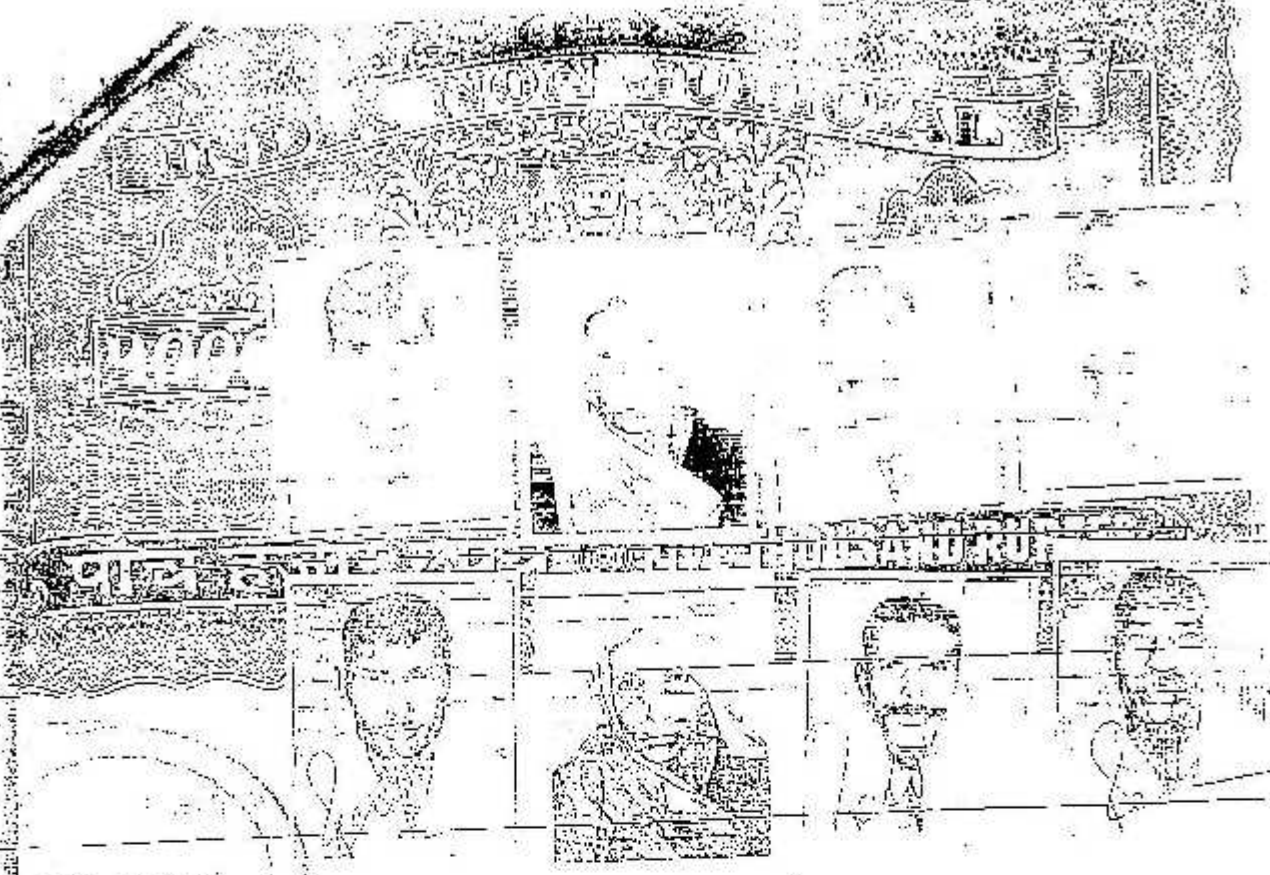
क्षेत्राधिकार उपनिबन्धक प्रथम जयपुरी

求求求求求求求求

कुमार पुत्र श्री कलाकामल निवास - काजमदनगर, गहलोटी रोड, मधुसूता कला - मिरीरामपद

V. Singh

1940



1145

{2}

प्रकाशनाम इस लेखपत्र के है चित्तौड़ में कि कृषि भूमि खाता नं० १२ व खसरा नंबर ०१ रकबा

0.826 हेक्टर लवाणी 13.35 कासे काटना व खाता संख्या 440 खसरा नं० 70 रकबा 0.413

लवाणी 8/5/31-रुपय आलायक व खाता संख्या-174 खसरा नं०-74 रकबा-0.826-लवाणी

13.35-लवाणी साबान 8/5/31 गौज रातोडा अरुणपुर, महबील-व-मिला मधुरा। सम्पूर्ण अंश आराजी

मिलकीयत अर्थात् मालिकी-1-मिलकीयत-मुमकिन-अर्थात् अर्थात् नं० 74 के मालिक है। व

दि १२/१२/३१

दि १२/१२/३१

दि १२/१२/३१

दि १२/१२/३१

दि १२/१२/३१

दि १२/१२/३१

दि १२/१२/३१

दि १२/१२/३१

दि १२/१२/३१

4000



5000

PIECE

THOUSAND RUPEES



(3)

मुकियान दिनांक १९७३ के मालिक है। व मुकियान दुर्गा रायरा नं० १४ के मालिक है।
 इस प्रकार इस प्रथमपक्षका उक्त आराजी के मालिक व भूमिदर है। तथा विक्रेता प्रथमपक्ष ही उक्त
 आराजी के मालिक व भूमिदर है। उक्त आराजी हर प्रकार के झगड़े झगड़ व कर्ज आदि
 से मुक्त व नशफ है कर्ज भी रहन व भिरा आदि नहीं है। उक्त आराजी में सिरेना-प्रथमपक्षका ही
 नाम जो-प्रथमपक्ष के मालिक व भूमिदर है। उक्त आराजी का अन्य कोई मालिक व हकदार नहीं

१९७३

१९७३

१९७३

१९७३

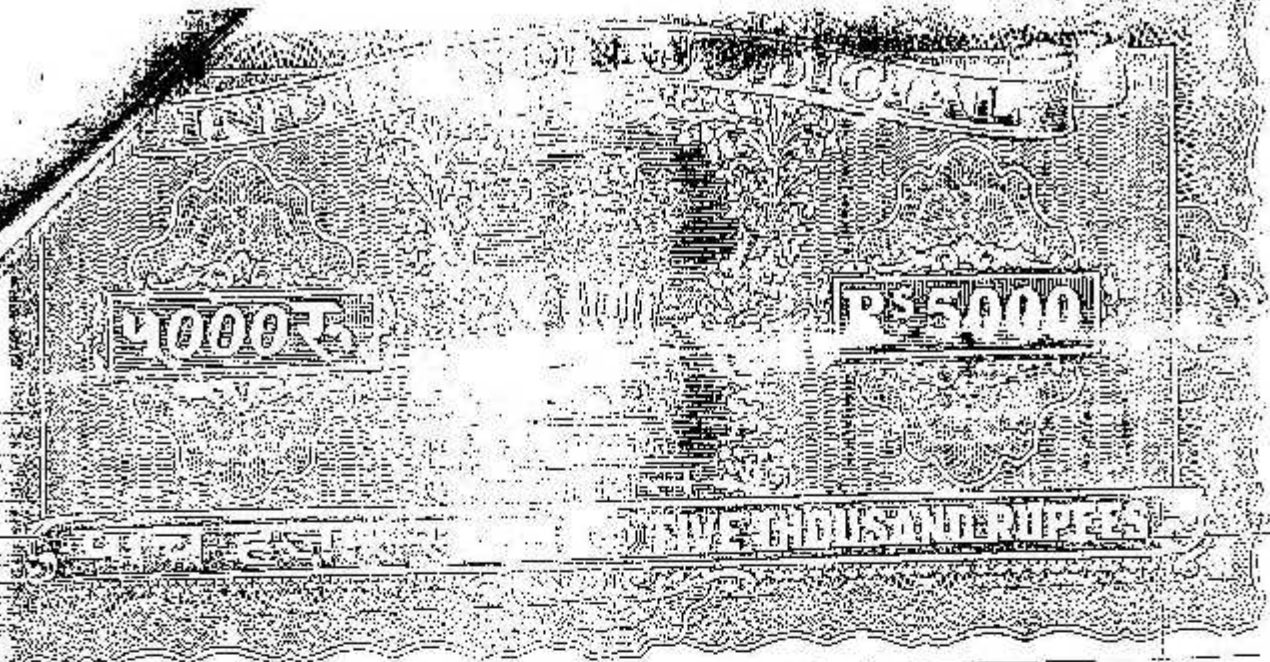
१९७३

१९७३

१९७३

१९७३

१९७३



{ 4 }

10,00,000/- दस लाख रुपये के स्थापना शुल्क प्राग-श्री मंत्री सिंह जिवासी-अफसर, बहाली

जयपुर-ग्रंथाल द्वितीयपक्ष के सचिव जीवे लाल शर्मा के अनुसार-हय ही मरदा है। जिसके जोड़ी पक्ष

१. सिद्धि
 २. रत्न
 ३. आ. आ. ५
 ४. सिद्धि
 ५. K. Singh
 ६. १०
 ७. १०
 ८. १०
 ९. १०
 १०. १०
 ११. १०
 १२. १०
 १३. १०
 १४. १०
 १५. १०
 १६. १०
 १७. १०
 १८. १०
 १९. १०
 २०. १०
 २१. १०
 २२. १०
 २३. १०
 २४. १०
 २५. १०
 २६. १०
 २७. १०
 २८. १०
 २९. १०
 ३०. १०
 ३१. १०
 ३२. १०
 ३३. १०
 ३४. १०
 ३५. १०
 ३६. १०
 ३७. १०
 ३८. १०
 ३९. १०
 ४०. १०
 ४१. १०
 ४२. १०
 ४३. १०
 ४४. १०
 ४५. १०
 ४६. १०
 ४७. १०
 ४८. १०
 ४९. १०
 ५०. १०
 ५१. १०
 ५२. १०
 ५३. १०
 ५४. १०
 ५५. १०
 ५६. १०
 ५७. १०
 ५८. १०
 ५९. १०
 ६०. १०
 ६१. १०
 ६२. १०
 ६३. १०
 ६४. १०
 ६५. १०
 ६६. १०
 ६७. १०
 ६८. १०
 ६९. १०
 ७०. १०
 ७१. १०
 ७२. १०
 ७३. १०
 ७४. १०
 ७५. १०
 ७६. १०
 ७७. १०
 ७८. १०
 ७९. १०
 ८०. १०
 ८१. १०
 ८२. १०
 ८३. १०
 ८४. १०
 ८५. १०
 ८६. १०
 ८७. १०
 ८८. १०
 ८९. १०
 ९०. १०
 ९१. १०
 ९२. १०
 ९३. १०
 ९४. १०
 ९५. १०
 ९६. १०
 ९७. १०
 ९८. १०
 ९९. १०
 १००. १०

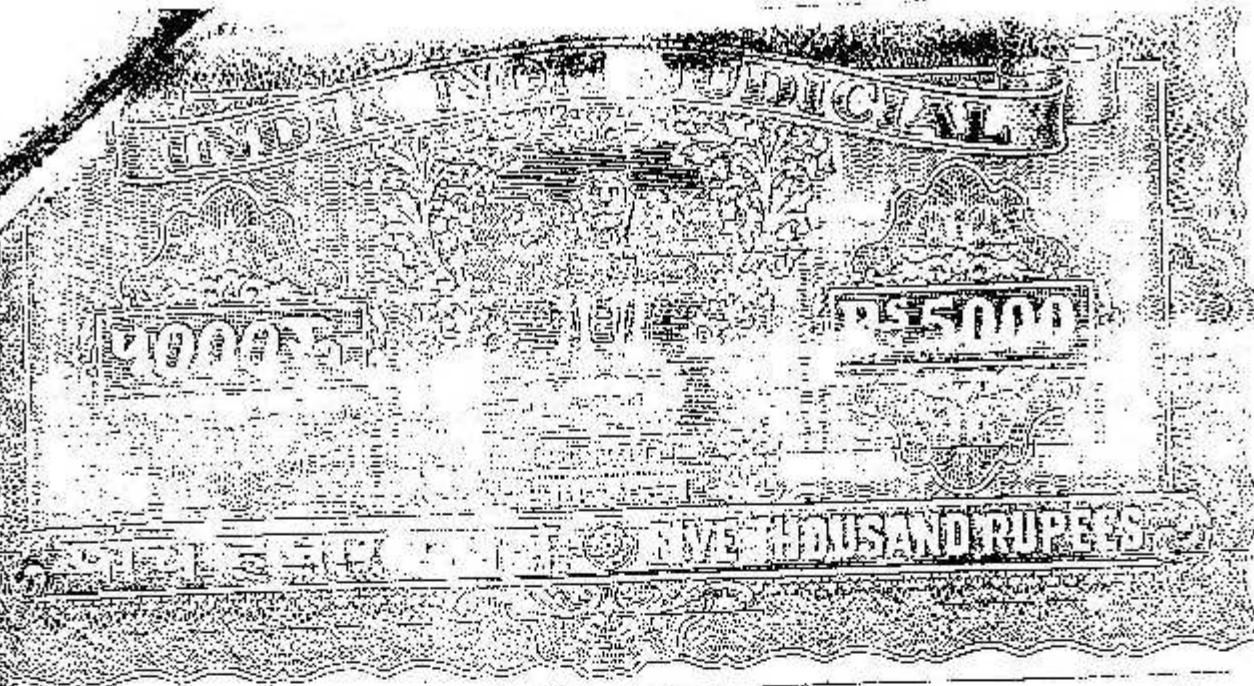


(6)

दिलीयन की हर प्रकृति से निवारण करके उसकी लिखित सूचना जारी कर लेकर उक्त आराजी
 का बैनामा खरीदार के हक में या खरीदार चाहें जिसके हक में कर देंगे। और न करें तो खरीदार
 द्वितीयपक्ष को अधिकार होगा कि वह अपना धार्मिक रूपसा सुझा करके हुये बाजारवा बजरिये अदालत
 तथ्यपक्ष से बैनामा खरीदने कर लें। ऐसी प्रकृति से खरीदार को तथ्यपक्ष से खरीदने की सूची जिम्मेदारी इस
 दिक्कत प्रथमपक्ष की होगी जिससे द्वितीयपक्ष नियमानुसार धमका देने को सक्षम रहेंगे।

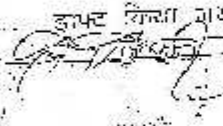
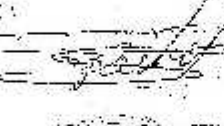
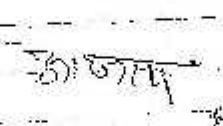
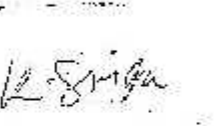
4- यह कि कृपया कानूनी पक्षी को दश में खाना दिक्कत प्रथमपक्ष मुक्त दायित्व काही पर

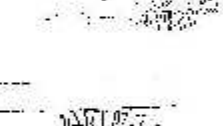
Handwritten signatures and stamps are present at the bottom of the page. The signatures are written in Hindi. There are several circular and rectangular stamps, some of which are partially legible. The text 'श्री ७७७७' is visible on the left side. The bottom right corner has the text 'श्री ७७७७' and 'श्री ७७७७'.

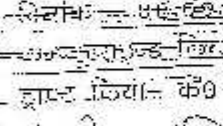
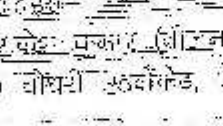
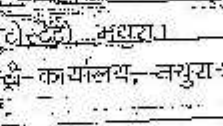


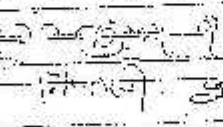
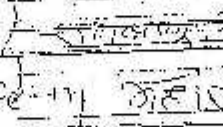
{3}

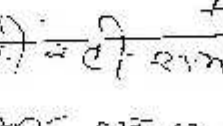
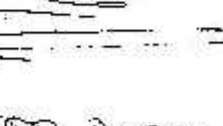
पर कल आवे उपर प्रवेश को जो को निर्देशानुसार प्रवेश के लक्ष्य पत्रक व मुद्रांक व

डाक्टर विद्या भाषा है:     

विभाग:     

डाक्टर विद्या के 0-00 बीपी अर्वाकेड, डिप्टी कार्यालय, नयुरा-     

डाक्टर विद्या के 0-00 बीपी अर्वाकेड, डिप्टी कार्यालय, नयुरा-     

टह

जयपाल

भौजा सतोहा अरुणपुर

4/25/18

उत्तरदाता खतीनी

परमाणु : पथरा

भाग : 1

ग्राम का नाम : सलोहा खसारा पुर

कसली वर्ष : 1412-1417

कनपद : सधरा

खाना : खानेवा का पाठ

कसली वर्ष

विषय / प्रति / संरक्षक का नाम

मिशन खसारा

मौजिक अधिकार

प्राप्त होने का

सोवत

सोवत

सोवत

3

4

5

6

7-12

13

शेवत : 1-व न गृह को संरक्षणीय भूमिगत केवलिकर से दो

20014 खसारा

खसारा

विषय

1412क

71

0.8160

1412क व शोधन श्रमिक (10) नि 0 नमूना आदेश नि.

4.5.05 के अनुसार एक 11 व के 1 व 1 व 1 व

सोवत शसारापुर के दफा सौ 14 से उत्तरिक मृत्तक

के स्थान पर कसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा

मानी सही पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

व शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण कर शसारा निव पूरा पुनर्निर्माण

पृष्ठ संख्या : 1 अ 2

प्रमाणिक : 07010200101

ग्राम का नाम : सतास असार गु

परान्त : मधुग

जिला : सदर

जनपद : मधुग

कसती वर्ष : 1412-1417

नाम : 1

खाल : खालसा व नाम
सतगुरु

विवरण / धर्म /
संस्था का नाम

विधान सभा

गणित/अधिकार
प्रारम्भ होने का
कसती वर्ष

खाल के प्रलेख
गले की खसरा
संख्या

प्रलेख
गले का
अंककल
(है .)

जानवर
खसरा क्षेत्र
मल्लगुजारी

पारवर्तन सम्बन्धी आग. व व असाक
संरक्षण जमीनी संख्या तथा दिनांक
राहित और खसरा क्षेत्र
जाले अधिकारी का पद

दिखावत

13

1

2

3

4

5

6

7-12

कुल गले : 1

कुल क्ष : 0.8260

13.75

हस्ताक्षर

54

12/10/2010 10:00 AM (नियम 23)

पुनर्जातीयक खपरा (फार्म गला कत)

गोमसोहा मागणपुर परगाणा जयपुर महाराष्ट्र मुम्बई विभा मध्य

क्र.सं.	पट्टा संख्या	खेती	खेती	खेती	खेती	खेती	खेती
1	2	3	4	5	6	7	8
46	0-20	शुमि	0-20	210	वरदा मल्ल		चक्रमा
47	0-21	शुमि	0-21	229	खान्ना	नलकूप	265
48	0-22	शुमि	0-22	23	खान्ना	नलकूप	86
49	0-23	शुमि	0-23	24	वरदा मल्ल	नलकूप	
50	0-24	शुमि	0-24	25	खान्ना	जीमिचिह	
51	0-25	शुमि	0-25	26	वरदा मल्ल	नलकूप	185
52	0-26	शुमि	0-26	27	खान्ना	नलकूप	265
53	0-27	शुमि	0-27	28	वरदा मल्ल	नलकूप	
54	0-28	शुमि	0-28	29	खान्ना	जीमिचिह	
55	0-29	शुमि	0-29	30	वरदा मल्ल	नलकूप	185
56	0-30	शुमि	0-30	31	खान्ना		चक्रमा
57	0-31	शुमि	0-31	32	वरदा मल्ल		
58	0-32	शुमि	0-32	33	खान्ना	नलकूप	940
59	0-33	शुमि	0-33	34	वरदा मल्ल	नलकूप	922
60	0-34	शुमि	0-34	35	खान्ना	नलकूप	200
61	0-35	शुमि	0-35	36	वरदा मल्ल	नलकूप	921
62	0-36	शुमि	0-36	37	खान्ना	नलकूप	200
63	0-37	शुमि	0-37	38	वरदा मल्ल	नलकूप	200
64	0-38	शुमि	0-38	39	खान्ना	नलकूप	200
65	0-39	शुमि	0-39	40	वरदा मल्ल	नलकूप	200
66	0-40	शुमि	0-40	41	खान्ना	नलकूप	200
67	0-41	शुमि	0-41	42	वरदा मल्ल	नलकूप	200
68	0-42	शुमि	0-42	43	खान्ना	नलकूप	200
69	0-43	शुमि	0-43	44	वरदा मल्ल	नलकूप	200
70	0-44	शुमि	0-44	45	खान्ना	नलकूप	200
71	0-45	शुमि	0-45	46	वरदा मल्ल	नलकूप	200
72	0-46	शुमि	0-46	47	खान्ना	नलकूप	200
73	0-47	शुमि	0-47	48	वरदा मल्ल	नलकूप	200
74	0-48	शुमि	0-48	49	खान्ना	नलकूप	200
75	0-49	शुमि	0-49	50	वरदा मल्ल	नलकूप	200
76	0-50	शुमि	0-50	51	खान्ना	नलकूप	200
77	0-51	शुमि	0-51	52	वरदा मल्ल	नलकूप	200
78	0-52	शुमि	0-52	53	खान्ना	नलकूप	200
79	0-53	शुमि	0-53	54	वरदा मल्ल	नलकूप	200
80	0-54	शुमि	0-54	55	खान्ना	नलकूप	200
81	0-55	शुमि	0-55	56	वरदा मल्ल	नलकूप	200
82	0-56	शुमि	0-56	57	खान्ना	नलकूप	200
83	0-57	शुमि	0-57	58	वरदा मल्ल	नलकूप	200
84	0-58	शुमि	0-58	59	खान्ना	नलकूप	200
85	0-59	शुमि	0-59	60	वरदा मल्ल	नलकूप	200
86	0-60	शुमि	0-60	61	खान्ना	नलकूप	200
87	0-61	शुमि	0-61	62	वरदा मल्ल	नलकूप	200
88	0-62	शुमि	0-62	63	खान्ना	नलकूप	200
89	0-63	शुमि	0-63	64	वरदा मल्ल	नलकूप	200
90	0-64	शुमि	0-64	65	खान्ना	नलकूप	200
91	0-65	शुमि	0-65	66	वरदा मल्ल	नलकूप	200
92	0-66	शुमि	0-66	67	खान्ना	नलकूप	200
93	0-67	शुमि	0-67	68	वरदा मल्ल	नलकूप	200
94	0-68	शुमि	0-68	69	खान्ना	नलकूप	200
95	0-69	शुमि	0-69	70	वरदा मल्ल	नलकूप	200
96	0-70	शुमि	0-70	71	खान्ना	नलकूप	200
97	0-71	शुमि	0-71	72	वरदा मल्ल	नलकूप	200
98	0-72	शुमि	0-72	73	खान्ना	नलकूप	200
99	0-73	शुमि	0-73	74	वरदा मल्ल	नलकूप	200
100	0-74	शुमि	0-74	75	खान्ना	नलकूप	200

सकल पट्टा संख्या के हस्ताक्षर

सकल पट्टा संख्या के हस्ताक्षर

सकल पट्टा संख्या के हस्ताक्षर

नियम 23 - खान्ना 2 वरदा मल्ल के हस्ताक्षर ही यहाँ पर मरा जाएगा ।

क्र.सं.	विवरण	प्रमाण	दिनांक	स्थान	अन्य
1	...	...	...	...	...
2	...	...	...	...	...
3	...	...	...	...	...
4	...	...	...	...	...
5	...	...	...	...	...
6	...	...	...	...	...
7	...	...	...	...	...
8	...	...	...	...	...
9	...	...	...	...	...
10	...	...	...	...	...

[Faint, illegible handwritten text]

A detailed black and white photograph of a book cover, showing the spine and front cover with a grid pattern. The image is oriented vertically, with the spine on the left and the front cover on the right. The cover features a grid of small squares, some of which are filled with a darker material, creating a textured, woven appearance. The spine is visible on the left, showing the binding structure. The overall image is high-contrast and grainy, typical of a photocopy or a low-quality scan.



A blank sheet of graph paper with a grid pattern. The grid consists of horizontal and vertical lines forming small squares. There are approximately 10 columns and 8 rows visible. A thicker vertical line runs down the center, dividing the grid into two equal halves. A thicker horizontal line runs across the middle, dividing the grid into two equal halves. This creates four quadrants. The paper is otherwise empty of any markings or text.

4732 (1)

THE UNIVERSITY OF CHICAGO
LIBRARY

09/10/86
1976-77

5/21/00

[Faint handwritten notes or signatures]

४०. उत्तरा कर्मा अथ उत्तरा कर्मा
उत्तरा कर्मा अथ उत्तरा कर्मा

100

1000

100

100

संख्या १२२७५
दिनांक १२/०८/०६
पृष्ठ सं. ३४९

प्रतिमान विभाग
महिला विकास विभाग
पृष्ठ सं. ३४९-३५०
पृष्ठ सं. ३५०-३५१

कलकत्ता दिनांक ०८/०९/२००६ का

वर्ग सं १ निलय सं ३८५८

पृष्ठ सं ३४९ से ३५० पर कमांक ९९८९

रजिस्ट्रीकृत किया गया।

मुकेश श्रीवास्तव

उप निबन्धक

मथुरा

६/९/२००६

प्राप्त अतिरिक्त
पृष्ठ सं. ३५०

क्रमांक 98 दिनांक 18/12/2007 पृष्ठ सं 2

भाग श्री 1 पृष्ठ सं 67

डॉ. केशव कुमार शर्मा
सहायक सचिव
को-ऑपरेटिव, मधुरा

आज दिनांक 16/02/2008 को

बही सं 1 जिल्द सं 4822

पृष्ठ सं 263 से 284 पर क्रमांक 1549

रजिस्ट्रीकृत किया गया

प्र० मा० शांकेर

उप-निबन्धक

मधुरा-प्रशास

18/2/2008

